संत अलॉयसियस स्वशासी महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

कक्षा	बी.ए. द्वितीय वर्ष	
सत्र	2019–2020	
विषय	प्रयोजनमूलक हिंदी	
प्रश्न–पत्र	द्वितीय	
प्रश्न–पत्र का शीर्षक	विज्ञापन, प्रेस प्रबंधन एवं आशुलेखन	
अनिवार्य / वैकल्पिक	वैकल्पिक	
अधिकतम अंक	सैध्दांतिक मूल्यांकन	आंतरिक मूल्यांकन
50	40	10

अधिगम **(Course Out Come)**

1. विज्ञापन संरचना, प्रतिलिपि लेखन, निर्देशन एवं दृश्यांकन कला का विकास
2. प्रेस प्रबंधन की की बारीकियों एवं मूल तत्त्वों का ाान
3. मौखिक अभिव्यक्ति क्षमता का विकास
4. आशुलिपि लेखन का अभ्यास
5. उपर्युक्त आधार पर रोजगार के अवसर

पाठ्यक्रम विवरण

प्रथम इकाई	विज्ञापन –अवधारणा एवं स्वरूप, महत्व, प्रकार एवं उद्देश्य। विज्ञापन के माध्यम एवं उनका प्रभाव।
द्वितीय इकाई	विज्ञापन प्रतिलेखन, क्षेत्र एवं विशेषताएँ। विज्ञापन की भाषा एवं शब्दावाली, विज्ञापन की तकनीक एवं तकनीकी विज्ञापन।
तृतीय इकाई	प्रेस प्रंबधन का स्वरूप एवं कार्य। विभिन्न संचार माध्यमों की वर्तमान चुनौतियाँ, दृश्य श्रव्य संचार माध्यम एवं इंटरनेट लेखन का शिल्प एवं प्रवृत्तियों का अध्ययन।
चतुर्थ इकाई	मौखिक भाषा की प्रवृत्तियाँ, समाचार एवं उद्घोषणा लेखन, प्रेस आचार संहिता, प्रेस अधिनियम।
पंचम इकाई	आशुलिपि–अवधारणा, कार्य एवं महत्व आशुलिपि के चिह एवं उनके अर्थ। आशुलिपि वर्ण, शब्द, वाक्यांश एवं वाक्य लेखन। आशुलिपि लेखन की विशेषताएँ।

सहायक पुस्तकें

1. प्रयोजन मूलक हिंदी – विनोद गोदरे
2. राजभाषा हिंदी – भोलानाथ तिवारी
3. प्रयोजन मूलक हिंदी – मुश्ताक अली
4. हैलो मीडिया – डॉ. आभा मिश्रा
5. सम्पूर्ण पत्रकारिता – अर्जुन तिवारी
6. प्रयोजन मूलक हिंदी – कैलाश चंद्र भारिया
7. प्रयोजन मूलक हिंदी – दंगल झालटे
8. प्रयोजन मूलक हिंदी का स्वरुप – महाले
9. शासकीय पत्र लेखन – ओमप्रकाश सिंहल
10. कार्यालयीन हिंदी – हरिबाबू बंसल
11. प्रारुपण, टिप्पण एवं प्रूफ पठन – भोलानाथ तिवारी
12. प्रयोजन मूलक हिंदी – डॉ. पुरुषोत्तम बाजपेई
13. अनुवाद चिंतन – डॉ. एस.एन. शर्मा
14. हिंदी पत्रकारिता स्वरुप एवं सन्दर्भ – विनोद गोदरे
15. व्यावसायिक हिंदी – पुष्कर सिंह
16. प्रयोजन मूलक हिंदी – डॉ. रमेश तरुण

प्रायोगिक कार्य (कुल अंक – 50)

1. प्रेस रिपोर्ट एवं विविध प्रकार के समाचारों का संकलन एवं प्रदर्शन।
2. निविदा सूचनाओं एवं प्रेस विज्ञप्तियों का समाचार पत्रों से संकलन एवं प्रदर्शन।
3. संम्पादकीय का संग्रह।
4. समाचार पत्र के विशिष्ट स्तंभों का संकलन एवं विश्लेषण।

नोटः– किसी विषय/शीर्षक पर निरीक्षण, संकलन, विश्लेषण का निष्कर्ष प्रस्तुत करना होगा साथ ही एक उदाहरण मौलिक लेखन का अनिवार्य होगा यथा सम्पादकीय, स्तम्भ लेखन, निविदा आमंत्रण आदि।